University in News on 24 January 2020

Amar Ujala-My City Page 5

मूल्यपरक कोर्स और व्यक्तित्व विकास से दिलाएंगे सफलता

लविवि : संवाद के तीसरे दिन वीसी ने स्नातक छात्रों को दिए टिप्स, बोले-अपने संस्थान पर करें गर्व

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा विकसित करने के लिए हर विभाग में नॉन क्रेडिट मूल्य परक कोर्स शुरू करेगा, जो उनके लिए हर क्षेत्र में सहयोगी होगा। साथ ही विद्यार्थियों की कम्युनिकेशन स्किल्स सुधारने व व्यक्तित्व विकास के लिए भी कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। कोशिश है कि विद्यार्थी डिग्री के साथ मूल्यों का भी ज्ञान हासिल करें और बहुमुखी सफलता प्राप्त करें। विद्यार्थी खुद को समाज से जोड़े और संस्था को भी समाज से जोड़े। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने यह जानकारी स्नातक विद्यार्थियों से संवाद में बृहस्पतिवार को दी।

मालवीय सभागार में आयोजित संवाद में प्रो. राय ने कहा कि हमें अपनी वैल्यू को बढ़ाना होगा। इसमें पढ़ाई के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, कम्युनिकेशन स्किल महत्वपूर्ण है। आपके कॅरियर के लिहाज से यह तीन साल बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसमें आप अपने मूल्यों को भी बढ़ाने का प्रयास करें। विश्वविद्यालय बेहतर प्लेसमेंट दिलाने के लिए भी प्रयास कर रहा है। प्रो. राय ने छात्रों को बी पॉजिटिव (साकारात्मकता लाएं), बी ऑब्जेक्टिव (उद्देश्य साफ रखें), बी रेसपेक्टिव (स्वीकार्यकता लाएं), बी अटेंटिव (जागृत रहें) व बी सेंसटिव (संवेदनशील बनें) का संदेश दिया। प्रो. राय ने विद्यार्थियों से कहा कि साकारात्मकता लाएं। अपने उद्देश्य को साफ रखें। बीटेक करते-करते शिक्षक की जॉब के लिए न कूदें। अपने अंदर स्वीकार्यता लाएं और जो भी विचार आ रहे हैं, उन्हें आने दें। एमसीक्यू भी इसी में शामिल है। विद्यार्थी जागृत रहें। अपनी झिझक तोड़े और किसी चीज से डरे नहीं। चीजों के प्रति संवेदनशील बनें। विवि बड़े पैमाने पर पौधरोपण करने जा रहा है। आप भी उसका हिस्सा बनें और अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

प्रो. राय ने कहा कि हम हर कमेटी में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं, लेकिन आपको भी कमिटमेंट करना होगा। हमें कॉम्पिटेंस विकसित करना होगा। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव आदि शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

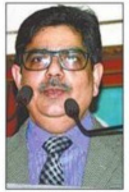

लविवि के मालवीय सभागार में आयोजित संवाद में छात्र-छात्राओं के साथ वीसी।

आज-कल के कार्यक्रम स्थगित

मालवीय सभागार में विद्यार्थियों से संवाद का बृहस्पतिवार को तीसरा दिन था। शोधार्थियों, परास्नातक विद्यार्थियों के बाद आज स्नातक के विद्यार्थियों से संवाद हुआ था। आगे छात्राओं व अंतःवासियों से 24 व 25 जनवरी को कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन अगले आदेश तक इसे स्थगित कर दिया गया है। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि नया कार्यक्रम तय होने के बाद इसकी सूचना दी जाएगी।

शताब्दी वर्ष की थीम 'मेरा विवि-मेरी पहचान'

प्रो. राय ने छात्रों से कहा कि हमें अपने संस्थान के प्रति गर्व करना चाहिए, क्योंकि विद्यार्थियों से ही समाज के बीच संस्थान की पहचान होती है। उन्होंने छात्र अधिष्ठाता कल्याण प्रो. पूनम टंडन से कहा कि विद्यार्थियों से वार्ता कर 'मेरा विवि-मेरी पहचान' थीम सांग तैयार करें। यही शताब्दी वर्ष पर विश्वविद्यालय की थीम होगी। इसके लिए प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करने का सुझाव दिया। उन्होंने इससे पूर्व छात्रों को भी जोड़ने का सुझाव दिया।

शिक्षक नहीं, सहायक लेते हैं कक्षाएं

बीएससी प्रथम वर्ष के एक छात्र ने कहा कि लैब का मेंटेनेंस ठीक नहीं है। शिक्षक नहीं आते। उनके सहायक प्रैक्टिकल कराते हैं। वहीं कक्षाओं के बीच गैप कम होने से भी भी दिक्कत होती है। ऋषभ मिश्रा ने विभाग की जर्जर बिल्डिंग का मुद्दा उठाया। साथ ही यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में टेड-एक्स जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। छात्रों ने सांस्कृतिक आयोजनों की सूचना न होने की बात भी कही।

एमसीक्यू कला विषयों में ठीक नहीं

संवाद की शुरुआत में ही राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा अपर्णा जैन ने कहा कि विज्ञान विषय तो ठीक है, लेकिन कला विषयों में बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित परीक्षा ठीक नहीं हैं। कला के विषयों में अधिकतर चीजें व्याख्यात्मक होती हैं। इसी तरह बीपीएड के गौरव चतुर्वेदी ने कहा कि सेमेस्टर सिस्टम उनके कोर्स के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि विषय ऐसा नहीं है। इसमें प्रैक्टिकल ज्यादा होते हैं। हालांकि बाद में अपने वक्तव्य में कुलपति प्रो. राय ने इन छात्रों को अपने जवाब से संतुष्ट करने की कोशिश की।

Dainik Jagran Page 6

आपके गीत को हम बनाएंगे शताब्दी वर्ष का 'थीम सॉन्ग'

जासं, लखनऊ : आप सभी होनहार हैं। आपके बीच बहुत सी ऐसी प्रतिभाएं हैं, जो अच्छी कविता लेखन, अच्छा गाना गाते हैं। आप सब मिलकर एक गीत बनाएं। जिसका गीत अच्छा होगा उसे हम शताब्दी वर्ष का 'थीम सांग' बनाएंगे। ये बातें गुरुवार को स्नातक विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहीं।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जल्द ही 'मेरा विवि मेरी पहचान' पर अभियान शुरू होगा। क्योंकि आप विवि से जब बाहर जाते हैं तो सब आपको उसी की पहचान से जानते हैं। आप जब अच्छे पदों पर होंगे। कोई देश के किसी कोने में होगा तो कोई विदेश में वह गर्व से बताएगा कि मैं लखनऊ विवि का छात्र रहा हूं। इससे आपके साथ ही विद्यालय की ख्याति फैलेगी। इसलिए हमेशा पॉजिटिव सोचे और उसी के साथ आगे बढ़ें। विद्यालय के उत्थान के लिए सकारात्मक सुझाव दें। विद्यार्थी केवल विवि की समस्याओं को न गिनाए उनके समाधान भी बताएं। यह उनसे अपेक्षा की जाती है। विवि की ओर से व्यवस्था की जा रही है कि पढ़ाई के साथ उनके व्यक्तित्व के निखार पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। इसके लिए कई वैल्यू एडेड कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

विद्यार्थियों ने कहा, प्रोफेसर अपने असिस्टेंट से कराते हैं प्रैक्टिकल : संवाद के दौरान बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थी भाष्कर ने कुलपति से कहा कि अक्सर जब वह केमिस्ट्री की लैब में प्रैक्टिकल के लिए जाते हैं तो प्रोफेसर नहीं आते हैं। प्रोफेसर अपने असिस्टेंट स्टूडेंट्स को भेजते हैं। वह प्रैक्टिकल के बारे में अच्छे से समझा नहीं पाते हैं। वहीं, अभिषेक यादव विधि छात्र ने कहा कि एलएलबी की प्रवेश परीक्षा का पैटर्न में बदलाव किया गया। विषय मिश्रा बीए के छात्र ने कहा कि एशियन इंडियन हिस्ट्री विभाग में छत से प्लास्टर टूट-टूटकर गिरता है। इसपर कुलपति ने कहा कि आपके ही सुझाव से वह व्यवस्थाएं ठीक करेंगे।

लखनऊ विवि के मालवीय सभागार में स्नातक के विद्यार्थियों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय • जागरण

सभागार में स्नातक के संवाद कार्यक्रम बैठे विद्यार्थी • जागरण

NBT Page 8

'डिग्री के साथ पर्सनैलिटी डिवेलपमेंट भी जरूरी'

संवाद कार्यक्रम में एलयू वीसी ने छात्र-छात्राओं से साझा किए विचार

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) अपने छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के साथ पर्सनैलिटी डिवेलपमेंट पर भी जोर देगा। इसके लिए कई वैल्यू एडेड कोर्स शुरू किए जाएंगे। संवाद कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने स्नातक छात्रों के साथ अपने विचार साझा किए। वीसी ने कहा कि जल्द ही 'मेरा विवि मेरी पहचान' अभियान शुरू किया जाएगा। इस विषय पर प्रतियोगिता भी होगी। इसमें चयनित गीत शताब्दी वर्ष का थीम सॉन्ग होगा।

मालवीय सभागार में हुए कार्यक्रम में वीसी ने कहा कि हर संस्थान की जिम्मेदारी है कि वह अपने छात्रों की वैल्यू बढ़ाए। वहीं, छात्रों को भी चाहिए कि सिर्फ समस्या न बताएं, उसका समाधान भी निकालें। नकारात्मकता छोड़कर सकारात्मक सोच और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ें। क्योंकि नकारात्मकता माहौल को दूषित करती है। हर छात्र को अपना लक्ष्य जरूर पता होना चाहिए। साथ ही नॉलेज, स्किल और उद्देश्य भी स्पष्ट होना चाहिए।

एमसीक्यू का विरोध : संवाद से पहले वीसी ने छात्रों को अपनी बात रखने का मौका दिया। बीए सेकंड इयर की छात्रा अपर्णा जैन ने मल्टिपल चॉइस क्वेश्चन (एमसीक्यू) प्रणाली का विरोध किया। कहा, 'इससे स्टूडेंट्स में लिखने की आदत कम हो रही है। छात्र ऐनालाइज नहीं कर पा रहे। एमसीक्यू से एक जगह बंद कर रह जाते हैं। हिस्ट्री जैसे थ्योरी विषय में मल्टीपल चॉइस आंसर ठीक नहीं है। बीपीएड के छात्र गौरव ने सेमेस्टर सिस्टम का विरोध किया। वहीं, बीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र ऋषभ ने क्लास की टाइमिंग में गैप बढ़ाने, एआईएच के क्लास रूम में चूना गिरने की समस्या बताई। बीएससी के छात्र भास्कर ने कहा कि शिक्षक केमिस्ट्री लैब में जूनियर्स को प्रैक्टिकल करवाने भेज देते हैं। समस्याएं सुनने के बाद वीसी ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

आज और कल कार्यक्रम स्थगित

वीसी ने 24 और 25 जनवरी को होने वाला छात्र संवाद कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जल्द ही इसके नए कार्यक्रम का शेड्यूल जारी किया जाएगा। बताते चलें कि वीसी ने 21 से 25 जनवरी तक संवाद कार्यक्रम तय किया था।

मालवीय सभागार में विद्यार्थियों से वीसी ने समस्याओं के साथ-साथ समाधान भी बताने को कहा।

बच्चों ने देखी लाइब्रेरी, ओएनजीसी भवन

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के इंस्टिट्यूट ऑफ वाइल्ड लाइफ साइंसेज के सहयोग से गुरुवार को एक एनजीओ द्वारा गरीब बच्चों को टैगोर लाइब्रेरी और ओएनजीसी भवन दिखाया गया। इस दौरान वीसी प्रो. आलोक कुमार राय भी ओएनजीसी भवन में निरीक्षण करने पहुंच गए। उन्होंने बच्चों से बातचीत की। बच्चों ने एलयू में उच्च शिक्षा हासिल करने की इच्छा जताई। इसपर वीसी ने उनका उत्साहवर्धन कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मौके पर डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन और प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार भी मौजूद रहे।

शिक्षकों को अब ₹16 लाख तक का लोन

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू सहित 13 अन्य डिग्री कॉलेजों में पढ़ाने वाले स्थायी शिक्षकों को अब टीचर्स कोऑपरेटिव सोसायटी से 16 लाख रुपये तक का लोन मिल सकेगा। अभी तक यह सीमा 12 लाख रुपये थी। विवि के जेके ब्लॉक स्थित राधा कमल मुखर्जी हॉल में कोऑपरेटिव सोसायटी की बुधवार को हुई बैठक में सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। एलयू में संचालित टीचर्स कोआपरेटिव सोसायटी में एलयू सहित 13 डिग्री कॉलेजों के 556 शिक्षक बतौर सदस्य शामिल हैं। सोसायटी में शिक्षक अंशदान देते हैं। जिसके एवज में उन्हें लोन की सुविधा दी जाती है। सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. गुरनाम सिंह ने बताया कि अभी तक जो लोन की सीमा 12 लाख से बढ़ाकर 16 लाख रुपये तक कर दिया गया है।

टीचर्स कोऑपरेटिव सोसायटी की बैठक में सदस्यों ने प्रस्ताव को दी मंजूरी